GURUKUL INTERNATIONAL SCHOOL

SESSION: 2024-25

CLASS-VIII **SUBJECT- HINDI**

भाषा सेतु

पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका

8

1. जयगान

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग)   2. (ख)   3. (घ)   4. (ग)   5. (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कवि आज क्या करना चाहता है ?

उत्तर— कवि देश का जयगान करना चाहता है।

प्रश्न 2. 'द्वेध-दुख' से कवि का क्या आशय है ?

उत्तर— द्वेध-दुख से कवि का आशय है—शारीरिक दुख और मानसिक दुख।

प्रश्न 3. भारत की पर्वत-चोटियाँ किस प्रकार की हैं ?

उत्तर— भारत की पर्वत चोटियाँ बर्फ से ढकी हुई हैं। वे चाँदी के समान चमकती हैं।

प्रश्न 4. 'जयगान' कविता के रचयिता कौन हैं ?

उत्तर— सुब्रह्मण्यम भारती।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कवि विद्यालयों को किसके समान बनाना चाहता है ?

उत्तर— कवि विद्यालयों को देवों के पवित्र मंदिरों के समान बनाना चाहता है। वे पवित्र भवनों की तरह सुशोभित हों।

प्रश्न 2. कवि देश को किस प्रकार महान बनाना चाहता है ?

उत्तर— कवि देश का जयगान करके देश को महान बनाना चाहता है। वह देश का तिरंगा फहराकर तथा नदी की तरह गतिवान होकर भारत के लोगों के दुख-दर्द मिटाना चाहता है जिससे देश का गौरव-मान बढ़ेगा।

प्रश्न 3. 'पोत-दल' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर— पोत-दल से कवि का अभिप्राय है—भारतीय नौ सेना जहाज। नौ सेना के जहाज समुद्रों में देश की सुरक्षा करते हैं। सौ-सौ पोत-दल भारत को शत-शत प्रणाम करेंगे।

2. झूठ का सच

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर—1. (ग) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (ख) **5.** (घ) **6.** (ग) **7.** (क) **8.** (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. गोनू झा का मित्र उसकी किस बात से प्रभावित था ?

उत्तर— गोनू झा का दोस्त उसकी इस बात से प्रभावित था कि गोनू झा किस प्रकार दोस्त को दुश्मन, दुश्मन को दोस्त, मूर्ख को विद्‌वान, साधु को ठग और बेईमान को ईमानदार सिद्‌ध कर देता है।

प्रश्न 2. गोनू झा ने अपने मित्र से क्या माँगा ?

उत्तर— गोनू झा ने अपने मित्र से मिट्‌टी के एक हजार सिक्के माँगे।

प्रश्न 3. गोनू झा मित्र की दुकान पर क्यों गया ?

उत्तर— गोनू झा अपने मित्र की दुकान पर इसलिए गया ताकि वह पंचों के सामने मित्र से लिए गए सिक्कों के बारे में सच्चाई बता सके।

प्रश्न 4. 'झूठ का सच' पाठ किस शैली में लिखा गया है ?

उत्तर— यह पाठ हास्य शैली में लिखा गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. गोनू झा ने अपने मित्र से सिक्के रखने के लिए आकर्षक बटुआ क्यों माँगा ?

उत्तर— गोनू झा ने मित्र से सिक्के रखने के लिए आकर्षक बटुआ इसलिए माँगा ताकि आगे चल कर वह पंचों के सामने मित्र के खिलाफ उस आकर्षक बटुए को सबूत के तौर पर पेश कर सके।

प्रश्न 2. गोनू झा ने भरी पंचायत में अपने मित्र से शेष रकम क्यों माँगी ?

उत्तर— गोनू झा ने भरी पंचायत में मित्र से शेष रकम माँगी। गोनू झा ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह दोस्ती को दुश्मनी में बदलना चाहता था और अपने मित्र को अपनी बुद्धिमत्ता दिखाना चाहता था। गोनू झा का मित्र गोनू झा की चतुराई जानना चाहता था।

प्रश्न 3. गोनू झा ने दोस्ती को दुश्मनी में कैसे बदल दिया ? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर— गोनू झा ने अपने मित्र से मिट्टी के पाँच सौ सिक्के एक आकर्षक बटुए में लिए थे। कुछ दिनों बाद गोनू ने पंचायत बुलाई कि मेरा मित्र मेरे बाकी के पाँच सौ रुपए नहीं लौटा रहा है। यह सुनकर मित्र को धक्का लगा कि गोनू झा झूठ बोल रहा है। इस प्रकार गोनू झा ने दोस्ती को दुश्मनी में बदल दिया।

प्रश्न 4. गोनू झा ने सच को झूठ और झूठ को सच में कैसे परिवर्तित कर दिया ?

उत्तर— गोनू झा ने मिट्टी के और असली सिक्कों के बटुए पंचों के सामने रखे तथा सारी सच्चाई पंचों को बताई। इस प्रकार गोनू ने सच को झूठ और झूठ को सच में परिवर्तित करने की कला को दिखाया।

3. संस्कृति क्या है ?

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क)   2. (घ)   3. (ग)   4. (क)   5. (घ)   6. (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मनुष्य सभ्य कैसे बना ?

उत्तर— जब मनुष्य अनाज उपजाने लगा, घर में रहने लगा तथा कपड़ा बुनकर पहनने लगा, तब वह सभ्य बना।

प्रश्न 2. क्या भौतिक संपदाओं से परिपूर्ण मनुष्य सभ्य और सुसंस्कृत कहलाता है ?

उत्तर— भौतिक संपदाओं से परिपूर्ण मनुष्य सभ्य कहलाता है सुसंस्कृत नहीं।

प्रश्न 3. मनुष्य में छह विकार कौन-कौन से हैं ?

उत्तर— छह विकार हैं—काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह, मत्सर।

प्रश्न 4. मनुष्य पशु से किस प्रकार भिन्न है ?

उत्तर— आदमी अपने भीतर के विकारों पर काबू रखता है, इसलिए वह जानवरों से भिन्न है।

प्रश्न 5. हम सभ्य हैं। 'संस्कृति क्या है ?' पाठ से कुछ उदाहरण दीजिए।

उत्तर— मनुष्य के पास भौतिक संपदाएँ हैं अर्थात् रोटी, कपड़ा और मकान। इसलिए मनुष्य सभ्य है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'संस्कृति क्या है ?' पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर— सभ्यता वह है जो हमारे पास है, संस्कृति वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है। भौतिक वस्तुएँ सभ्यता के अंतर्गत आती हैं जबकि उनके प्रयोग का ढंग संस्कृति बताती है। संस्कृति दोषों को कम करती है तथा गुणों को उभारती है।

प्रश्न 2. संस्कृति पुकार-पुकार कर कह रही है कि इन बमों और हथियारों को काम में मत लाओ—आशय स्पष्ट करें।

उत्तर— संस्कृति कहती है कि हमें हथियारों की होड़ को रोकना चाहिए तथा विश्व में शांति स्थापित करनी चाहिए क्योंकि इन अस्त्रों-शस्त्रों से संसार विनाश की ओर अग्रसर होता है।

प्रश्न 3. हमारी संस्कृति किस प्रकार हमें पशुत्व छोड़ मनुष्यत्व की ओर प्रवृत्त करती है ?

उत्तर— संस्कृति मनुष्य के दोषों को दूर करती है। वह उसे पशुत्व के दुर्गुणों को छोड़कर जीवन में आगे बढ़ना सिखाती है। संस्कृति मनुष्य में विनय और विनम्रता के भाव पैदा करती है। इस प्रकार संस्कृति मनुष्य को पशुत्व से मनुष्यत्व की ओर प्रवृत्त करती है।

प्रश्न 4. ''भारत की संस्कृति विविधता में भी एकता को प्रदर्शित करती है।''—कैसे और क्यों ?

उत्तर— भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, यहाँ सभी धर्मों और जातियों में विविधता पाई जाती है परंतु हमारी संस्कृति एक है। देश में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, व्यवहार आदि गुणों में समानता पाई जाती है, इसलिए संस्कृति विविधता में भी एकता को प्रदर्शित करती है।

प्रश्न 5. ''हमारी संस्कृति दुनिया की संस्कृति का आईना बन सकती है''—क्यों ?

उत्तर— भारत में विभिन्न देशों या जातियों के लोग आते रहते हैं जिससे उनकी संस्कृतियाँ हमारी संस्कृति को प्रभावित करती हैं। भारत में प्राचीन काल से ही अनेक जातियों तथा धर्मों के लोग आते रहे हैं। उनके गुणों तथा विचारों को हमारी संस्कृति ने अपने अंदर समाविष्ट किया है। इसलिए हमारी संस्कृति आज इतनी विशाल हो गई है कि सारी दुनिया के लिए आईना बन सकती है।

प्रश्न 6. हमारी संस्कृति को उन्नत बनाने वाले चार अध्याय कौन-कौन से हैं ?

उत्तर— भारतीय संस्कृति को उन्नत बनाने वाले चार अध्याय इस प्रकार हैं—

1. पहला अध्याय वह है जब आर्य यहाँ आए और द्रविड़ जाति से मिलकर उन्होंने भारतीय संस्कृति की नींव डाली।

2. दूसरा अध्याय है जब इस संस्कृति में कुछ बुराइयाँ आईं और जिन्हें महात्मा बुद्ध तथा महावीर ने दूर करके इस संस्कृति में नवीनता पैदा की।

3. तीसरा अध्याय है जब भारत में मुसलमान आए और हिंदू धर्म का इस्लाम से संबंध स्थापित हुआ।

4. चौथा अध्याय है जब हिंदू और इस्लाम धर्म का संबंध ईसाई धर्म से हुआ तथा यूरोप के विज्ञान और बुद्धिवाद से हमार देश परिचित हुआ।

प्रश्न 7. 'संस्कृति धन नहीं, गुण है।'—इस कथन को स्पष्ट करते हुए एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर— संस्कृति एक गुण है जो हमारे भीतर छिपा हुआ है। यह धन या अन्य भौतिक वस्तु नहीं है कि जिसे हम खरीद सकें। संस्कृति को हम अपने व्यवहार से उन्नत कर सकते हैं। संस्कृति हमें रहन-सहन, दया-परोपकार, विनय-विनम्रता की सीख देती है। यह हमारे आचार-व्यवहार को समृद्ध बनाती है।

4. गणेश शंकर विद्यार्थी

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (घ) **6.** (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. गणेश शंकर विद्यार्थी किस बात के लिए सदैव कटिबद्ध रहते थे ?

उत्तर— सामाजिक बुराइयों के निराकरण के लिए।

प्रश्न 2. गणेश शंकर का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

उत्तर— गणेश शंकर का जन्म 26 अक्टूबर, 1890 में इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में हुआ था।

प्रश्न 3. गणेश शंकर ने शिक्षा कहाँ प्राप्त की ?

उत्तर— गणेश शंकर ने प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर के मुंगावली नामक स्थान से प्राप्त की तथा उच्च शिक्षा के लिए इलाहाबाद के कॉलेज में प्रवेश लिया।

प्रश्न 4. गणेश शंकर ने अपने पत्रकार जीवन की शुरुआत कैसे की ?

उत्तर— गणेश ने 'कर्मयोगी' पत्र के लिए लेख और टिप्पणियाँ लिखकर अपने पत्रकार जीवन की शुरुआत की।

प्रश्न 5. 'प्रताप' पत्र की लोकप्रियता का क्या कारण था ?

उत्तर— 'प्रताप' पत्र की लोकप्रियता का कारण था कि इसमें अंग्रेज़ी शासन के दमन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई जाती थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रश्न (क) स्वतंत्रता संग्राम में गणेश शंकर विद्यार्थी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

उत्तर— गणेश शंकर विद्यार्थी क्रांतिकारियों का बहुत सम्मान करते थे। उन्होंने अपने पत्र 'प्रताप' के जरिए देशवासियों में देशभक्ति की भावना पैदा की। वे कर्मठ तथा जुझारू सेनानी थे। उन पर कई बार राजद्रोह का आरोप लगा तथा वे पाँच बार जेल भी गए।

प्रश्न (ख) गणेश शंकर विद्यार्थी ने सरदार भगतसिंह को क्या परामर्श दिया ?

उत्तर— उन्होंने भगत सिंह को यह परामर्श दिया—''स्वतंत्रता के लिए काम करना एक परवाने की तरह होता है जो शमा से प्यार करता है और शमा की लपटों में जलकर मर जाता है।''

प्रश्न (ग) शिक्षा के बारे में विद्यार्थी जी के क्या विचार थे ?

उत्तर— गणेश शंकर विद्यार्थी के विचार थे कि शिक्षा ऐसी हो जिसे पाकर भारत युवक निर्भीक और राष्ट्र के सच्चे सेवक बन सकें।

प्रश्न (घ) गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे व्यक्ति का सांप्रदायिकता की भेंट चढ़ जाना हमारे समाज की किस बुराई की ओर संकेत करता है ?

उत्तर— गणेश शंकर विद्यार्थी सांप्रदायिकता के प्रबल विरोधी थे। परंतु अंत में उनकी मृत्यु हिंदू-मुस्लिम के दंगों में ही हुई। इससे हमारे समाज में फैली धार्मिक उन्माद की भावना उजागर होती है।

प्रश्न (ङ) 'गणेश शंकर विद्यार्थी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।' इस कथन का प्रमाण सहित समर्थन कीजिए।

उत्तर— गणेश शंकर विद्यार्थी सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए भारतीय लोगों में अपने पत्र 'प्रताप' के जरिए राष्ट्रीय भावना का संचार किया। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, सूझबूझ, निर्भीकता, विलक्षण प्रतिभा तथा निष्पक्षता से प्रताप को कभी बंद नहीं होने दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी ने सामाजिक बुराइयों तथा सांप्रदायिकता का कड़ा विरोध किया। उन्होंने ग्राम सुधार के लिए 'सेवाश्रम' भी खोला। इस प्रकार गणेश शंकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी माने जाते थे।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) विद्यार्थी जी का व्यक्तित्व कुछ-कुछ **संत कबीर** जैसा था।

(ख) गणेश शंकर विद्यार्थी का विवाह **चंद्रप्रकाश देवी** के साथ हुआ था।

(ग) वे **सरस्वती** पत्रिका के संपादक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के संपर्क में आए।

(घ) 9 नवंबर, 1913 को साप्ताहिक पत्र **प्रताप** का प्रकाशन आरंभ हुआ।

(ङ) विद्यार्थी जी **सांप्रदायिकता** के प्रबल विरोधी थे।

3. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *कबीर के चिंतन का स्रोत जहाँ मूल ब्रह्म था, वहीं विद्यार्थी जी के चिंतन का मूल था—'राष्ट्र'।*

आशय— कबीर दास जहाँ ब्रह्म के बारे में सोचते थे वही गणेश शंकर विद्यार्थी केवल राष्ट्र के बारे में ही सोचते थे।

(ख) *वे स्वतंत्रता संग्राम के कर्मठ तथा जुझारू सेनानी थे।*

आशय— गणेश शंकर ने स्वतंत्रता संग्राम में अह्म भूमिका निभाई। उन्होंने देश की आजादी के लिए कर्मठता तथा लगन से कार्य किया।

(ग) *यह कैसी विडंबना है कि जो व्यक्ति जीवनभर सांप्रदायिकता की विषैली भावना के विरुद्ध जूझता रहा, अंतत: वह उसी का शिकार हुआ।*

आशय— गणेश शंकर जीवन भर सांप्रदायिकता का विरोध करते रहे परंतु अंतत: 1931 में हिंदू-मुस्लिम दंगों में ही उनकी मृत्यु हुई।

(घ) *स्वतंत्रता के लिए काम करना एक परवाने की तरह होता है जो शमा को प्यार करता है और शमा की लपटों में जल कर मर जाता है।*

आशय— स्वतंत्रता के लिए कार्य करने वाला देश के लिए जीता है और देश के लिए ही मरता है।

5. माँ की ममता

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (क) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (घ) **5.** (ग)
6. (क) **7.** (क) **8.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. देव शर्मा के माता-पिता का क्या नाम था ?

उत्तर— देव शर्मा के पिता का नाम यज्ञ शर्मा संतोषी तथा माता का नाम रोहिणी था।

प्रश्न 2. देव शर्मा भिक्षा माँगने कहाँ गया ?

उत्तर— नंदिग्राम में कश्यप नाम के ब्राह्मण के घर।

प्रश्न 3. सावित्री क्या कर रही थी ?

उत्तर— सावित्री पति की सेवा कर रही थी।

प्रश्न 4. सावित्री को सिद्धि की प्राप्ति कैसे हुई ?

उत्तर— पति-सेवा से सावित्री ने सिद्धि प्राप्त की।

प्रश्न 5. कौआ और बलाका कौन थे ?

उत्तर— कौआ देव शर्मा की काली करतूतें और बलाका माता की सात्विक कल्याण कामना थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. देव शर्मा की माँ क्यों दुखी थी ?

उत्तर— देव शर्मा की माँ दुखी थी क्योंकि उसके पति की मृत्यु के बाद उसका बेटा उसे असहाय छोड़कर घर से चला गया था।

प्रश्न 2. देव शर्मा को कैसे ज्ञात हुआ कि उसने सिद्धि प्राप्त कर ली है ?

उत्तर— जब देव शर्मा की कोप भरी दृष्टि से कौआ और बगुला भस्म हो गए तब उसे पता चला कि उसे सिद्धि प्राप्त हुई है।

प्रश्न 3. देव शर्मा ने कौए और बलाका को अपनी कोप-दृष्टि से भस्म कर दिया। सावित्री को वह अपनी कोप-दृष्टि से भस्म क्यों नहीं कर पाया ?

उत्तर— सावित्री को देव शर्मा इसलिए भस्म नहीं कर पाया क्योंकि वह पति की सेवा करती थी। उसे अपने कर्तव्य का बोध था। वह पति सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म मानती थी जिसका पालन वह नित्य करती थी।

प्रश्न 4. सावित्री ने देव शर्मा को क्या समझाया ?

उत्तर— सावित्री ने देव शर्मा को उसकी माँ के प्रति उसके कर्तव्य का बोध कराया। उसने समझाया कि जिस माँ ने तुझे गर्भ में रखा, पाला-पोसा, उसी माँ को तू असहाय छोड़कर वन में जप-तप करने चला गया। जो मातृ-भक्त भक्तिपूर्वक अपनी माँ की सेवा करता है उसी के लिए स्नान, तीर्थ, जप तथा यज्ञ फल देते हैं।

प्रश्न 5. बलाका ने देव शर्मा की कैसे सहायता की और क्यों ?

उत्तर— बलाका के रूप में देव शर्मा की माँ की सात्विक कल्याण कामना थी। उसने बलाका का रूप धारण करके देव शर्मा के पुण्य को जला कर उसकी प्राण-रक्षा की।

प्रश्न 6. इस कहानी का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर—इस कहानी का मूल भाव है अपने कर्तव्यों का पालन करना तथा मातृ-सेवा करना। हमें अपने कर्तव्यों को कभी नहीं भूलना चाहिए।

प्रश्न 7. पुत्र की अनुपस्थिति में माँ के हृदय में उठने वाले भावों को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।

उत्तर—पुत्र की अनुपस्थिति में माँ हमेशा अपने बेटे की प्राण-रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती रही। माँ चाहती थी कि मेरा बेटा जहाँ भी रहे, सुखी रहे। उस पर कोई विपत्ति न आए। उसने मुझे अकेला छोड़कर जो पाप किया है, उसकी सजा ईश्वर उसे मत देना क्योंकि इससे मेरे दुख और अधिक बढ़ जाएँगे।

प्रश्न 8. किसने कहा ? किससे कहा ? क्यों कहा ?

(क) जहाँ है वहीं सुखी रहे। भगवान उसकी रक्षा करें।

उत्तर—माँ ने ईश्वर से कहा। क्योंकि उसका बेटा देव शर्मा उसे छोड़कर चला गया था और वह अकेला था। माँ को अपने बेटे की चिंता थी।

(ख) तेरा क्रोध करना व्यर्थ है।

उत्तर—सावित्री ने देव शर्मा से कहा। क्योंकि भिक्षा देने में उसे देरी हो गई थी इसलिए देव शर्मा क्रोधित होकर सावित्री को घूर रहा था।

6. फूल और काँटा

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (घ) **2.** (क) **3.** (घ) **4.** (ख) **5.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. फूल और काँटे के जन्म एवम् पालन-पोषण में क्या समानताएँ हैं ?

उत्तर—काँटे और फूल का जन्म एक ही पौधे से होता है तथा उनका पालन-पोषण भी एक ही पौधे से होता है।

प्रश्न 2. काँटा लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है ?

उत्तर—काँटा लोगों की उँगलियों में छेद कर देता है, उनके कपड़े फाड़ देता है।

प्रश्न 3. फूल का तितली और अन्य लोगों के साथ कैसा व्यवहार होता है ?

उत्तर— फूल तितलियों को गोद में लेता है। भौंरों को अपना रस देता है कलियों को अपनी सुंगध और अद्भुत रंगों से सजा देता है।

प्रश्न 4. मनुष्य श्रेष्ठ होता है :

(क) अपने कुल के आधार पर (ख) अपने जन्म के आधार पर

(ग) अपनी शिक्षा के आधार पर (घ) अपने गुणों और स्वभाव के आधार पर

उत्तर— (घ) अपने गुणों और स्वभाव के आधार पर

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लोगों का काँटे और फूल के प्रति व्यवहार में क्या अंतर होता है ?

उत्तर— लोगों की आँखों में काँटा खटकता है और फूल उन्हें अच्छा लगता है अर्थात् लोग काँटे को बुरा और फूल को अच्छा मानते हैं।

प्रश्न 2. फूल और काँटे के व्यवहार के अंतर से कवि हमें क्या समझाना चाह रहा है ?

उत्तर— कवि फूल और काँटे के व्यवहार के माध्यम से हमें यह समझना चाह रहा है कि बड़ा बनने के लिए कुल की बड़ाई ही काफी नहीं है। बड़ा बनने के लिए हमें अच्छे काम करने चाहिए।

प्रश्न 3. प्रकृति ने फूलों के साथ काँटे क्यों बनाए हैं ?

उत्तर— जिस प्रकार दुख के साथ सुख जुड़ा है, उसी प्रकार फूल के साथ काँटे जुड़े हैं। काँटों के साथ होने से ही फूलों का महत्व पता चाहता है। इसलिए प्रकृति ने फूलों के साथ काँटे बनाए हैं।

प्रश्न 4. चार वाक्यों में 'फूल और काँटा' कविता का आशय बताइए।

उत्तर— फूल और काँटों के द्वारा कवि ने सज्जन और दुर्जन के सहज स्वभाव का व्यवहारिक चित्रण किया है। फूल लोगों को अच्छे लगते हैं जबकि काँटे सभी की आँखों में खटकते हैं। जिस प्रकार फूल तितलियों को गोद में लेता है, भौंरों को रस देता है उसी प्रकार सज्जन व्यक्ति भी समाज में असहाय लोगों की सहायता करता है। वहीं काँटे दूसरों को कष्ट देते हैं, काँटों के समान दुर्जन व्यक्ति भी दूसरों के लिए मुसीबतें ही बढ़ाते हैं।

प्रश्न 5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

है खटकता एक सबकी आँख में, दूसरा है सोहता सुर-सीस पर।

किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

प्रसंग— प्रस्तुत पंक्तियाँ अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध द्वारा रचित कविता 'फूल और काँटा' से अवतरित हैं।

व्याख्या— काँटा सभी की आँखों में खटकता है जबकि फूल देवताओं के सिर पर शोभायमान होता है। यदि किसी में बड़प्पन की कमी हो तो उसके कुल की बड़ाई कुछ भी काम नहीं आ पाती।

प्रश्न 6. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *कुल की बड़ाई*

आशय— इसका आशय है परिवार का मान-सम्मान।

(ख) *प्यार डूबी तितलियाँ*

आशय— तितलियाँ फूलों के प्यार में डूबी रहती है अर्थात् वे फूलों के आस-पास मँडराती रहती हैं।

(ग) *जी की कली खिलाना*

आशय— फूल अपनी खुशबू से वातावरण को खुशनुमा बना देता है जिससे चारों ओर खुशी का माहौल छा जाता है।

7. कलिंग-विजय

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (घ) **3.** (ख) **4.** (ख) **5.** (ग) **6.** (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. रेखा ने गायिकाओं के लिए बैठने और गाने का स्थान नियत क्यों कर रखा था?

उत्तर—ताकि कोई भी गायिका सम्राट अशोक से न मिल सके।

प्रश्न 2. सम्राट अशोक को बढ़ावा देने वाली एकमात्र शक्ति कौन थी?

उत्तर—रेखा।

प्रश्न 3. अशोक गाना सुनने क्यों आया था?

उत्तर—कलिंग के राजकुमार उपेंद्र के शब्द बार-बार अशोक के कानों में गूँज रहे थे, अशोक का हृदय बेचैन हो रहा था। इसलिए अशोक अपने आपको भुलाने के लिए गाना सुनने आया था।

प्रश्न 4. गायिका के गीत में 'भ्रमर' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर—सम्राट अशोक के लिए।

प्रश्न 5. गायिका कौन थी?

उत्तर—गायिका कलिंग की राजकुमारी थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सम्राट अशोक अनमने क्यों थे ? वे अपनी विजय पर स्वाभाविक रूप से प्रसन्न क्यों नहीं थे ?

उत्तर— कलिंग-विजय के बाद सम्राट का हृदय बेचैन था क्योंकि कलिंग के राजकुमार उपेंद्र के मरते समय के शब्द उनके कानों में गूँज रहे थे। कलिंग के सहस्त्रों कैदियों के चित्र उनकी आँखों के सामने आ रहे थे, वीतशोक के निर्वासन का दृश्य याद आ रहा था। इसलिए सम्राट अशोक अपनी विजय पर स्वाभाविक रूप से प्रसन्न नहीं थे।

प्रश्न 2. कुमारी रेखा की आकांक्षा क्या थी ? उसे पूरा करने के लिए उन्होंने क्या किया ?

उत्तर— कुमारी रेखा की आकांक्षा यह थी कि वह पूरे भारतवर्ष की सम्राज्ञी बने। इसे पूरा करने के लिए उसने सम्राट अशोक को कलिंग को जीतने के लिए प्रेरित किया।

प्रश्न 3. क्या कारण था कि कुमारी रेखा गायिका के सच कहने पर उद्विग्न हो गईं ?

उत्तर— गायिका ने कहा कि रेखा सम्राट अशोक से प्यार नहीं करती वह केवल भारतवर्ष की सम्राज्ञी बनना चाहती है। इसलिए गायिका के मुख से सच्चाई सुनकर रेखा उद्विग्न हो गई।

प्रश्न 4. आशय स्पष्ट कीजिए—

(क) *हिमालय के पाषाण-हृदय में से शीतल नदियाँ बह निकलती हैं।*

आशय— हिमालय की चट्टानों से अनेक पवित्र नदियाँ निकलती हैं।

(ख) *जो अपने लिए जीते हैं, वे दूसरों का पालन नहीं कर सकते—केवल दूसरों के दया के पात्र हो सकते हैं।*

आशय— जो लोग अपने लिए जीते हैं उन्हें दुनिया की परवाह नहीं होती। ऐसे लोग दूसरों की भलाई के लिए सोच भी नहीं सकते। वे केवल दूसरों की दया पर निर्भर रहते हैं।

(ग) *आज इस मनोरम जगती तल पर एक पिशाच घूम रहा है।*

आशय— इस सुंदर संसार में युद्ध का पिशाच घूम रहा है। युद्ध से कभी भी देश में शांति या समृद्धि नहीं आ सकती।

प्रश्न 5. सम्राट अशोक विजय प्राप्त करके भी हार क्यों गए ?

उत्तर— गायिका सम्राट अशोक को कलिंग युद्ध क्षेत्र की भयंकरता का दृश्य दिखाती है। वह मैदान में सैंकड़ों तड़पते मनुष्यों के बारे में बताती है। वह सम्राट को निर्दोष जनता की कराहती हुई आवाज़ों के बारे में बताती है जिससे सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन होता है। उन्हें अहसास होता है कि वह कलिंग को जीत कर भी हार गए है।

प्रश्न 6. सम्राट अशोक अकेले किस प्रकार रह गए?

उत्तर— गायिका सम्राट अशोक को रेखा की सच्चाई से अवगत कराती है कि वह आपसे प्यार नहीं करती। वह तो भारत की सम्राज्ञी बनाना चाहती है। सम्राट के सेनापति और सैनिक भी केवल उनकी आज्ञा मानते हैं वे दिल से सम्राट को नहीं चाहते। गायिका के सच्चाई कहने पर सम्राट अशोक को अहसास होता है कि वह अकेले रह गए हैं उनके साथ कोई नहीं है।

भाषा-बोधन

2. 'सं' उपसर्ग लगाकर पाँच शब्द लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

संहार— मैदान में नर-**संहार** देखकर सम्राट का हृदय द्रवित हो गया।

संरक्षक— राजा के **संरक्षक** घोड़ों पर राजा के पीछे-पीछे चल रहे थे।

संबोधन— नेता जी पार्टी के प्रवक्ता के **संबोधन** से खुश नहीं थे।

संतोष— इंसान को थोड़े में **संतोष** करना चाहिए।

संविधान— भारत का **संविधान** 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।

3. इसी प्रकार के अन्य दो वाक्य लिखिए।

(क) जीवन में केवल पैसा ही सब कुछ नहीं होता।

(ख) जीवन में पैसा ही सब कुछ हो सकता है।

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए :

कलिंग-विजय	कलिंग की विजय	तत्पुरुष समास
राज-कुटुंब	राज है जो कुटुंब का	कर्मधारय समास
नारी-शक्ति	नारी रूपी शक्ति	कर्मधारय समास
मानव-रक्त	मानव का रक्त	तत्पुरुष समास
शत्रु-कन्या	शत्रु की कन्या	तत्पुरुष समास
हरा-भरा	हरा और भरा	द्वंद्व समास
बंदी-गृह	बंदी के लिए गृह	तत्पुरुष समास
भुज-बल	भुजा में बल है जिसके	बहुव्रीहि समास

8. सूखे सुमन से

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (घ) **6.** (घ) **7.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'सूखे सुमन से' कविता की रचयिता कौन हैं ?

उत्तर— महादेवी वर्मा।

प्रश्न 2. यह कविता किसको संबोधित कर लिखी गई है ?

उत्तर— सूखे सुमन को।

प्रश्न 3. शैशव अवस्था में फूल की क्या दशा थी ?

उत्तर— शैशव अवस्था में फूल कली के रूप में था।

प्रश्न 4. शुष्क अवस्था में फूल कहाँ आ गया ?

उत्तर— शुष्क अवस्था में फूल धरती पर आ गया।

प्रश्न 5. फूल ने क्या-क्या दान कर दिया ?

उत्तर— फूल ने शहद और अपनी सुगंध दान कर दी।

प्रश्न 6. भगवान ने संसारी प्राणियों को कैसा बनाया है ?

उत्तर— भगवान ने संसारी प्राणियों को स्वार्थी बनाया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. फूल के माध्यम से कवि किसे, क्या कहना चाहता है ?

उत्तर— फूल के माध्यम से कवि ने दुनिया को उसकी स्वार्थपरता के बारे में बताया है। फूल में जब तक रस है, खुशबू है वह सबका प्रिय होता है परंतु जब वह सूखकर

धरती पर गिर जाता है तो भ्रमर भी उसके पास नहीं आते। यही स्थिति मनुष्य की है जब तक वह जवान है तब तक सब उसे सम्मान देते हैं परंतु जब वह बूढ़ा हो जाता है तो उसे सब तरफ से तिरस्कार ही मिलता है।

प्रश्न 2. फूल के सूख कर धरती पर गिर जाने से किन-किन के व्यवहार में क्या अंतर आ गया ? ऐसा क्यों हुआ ?

उत्तर— फूल के सूख कर धरती पर गिर जाने पर भ्रमर अब उसके पास नहीं आते। प्रात:काल भी अपना लाल राग नहीं बरसाता। जो हवा यौवनकाल में उसे अपनी गोद में खिलाती थी आज उसने अपने तीव्र झोंकों से फूल को धरती पर गिरा दिया है। फूल के साथ ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अब वह किसी के काम का नहीं है।

प्रश्न 3. फूल की दशा देखकर हमें क्या सांत्वना मिलती है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— फूल की दशा देखकर हमें सांत्वना मिलती है कि जब संसार को फूल की दुर्दशा पर दुख नहीं हुआ तो हम जैसे निस्सार मनुष्यों के लिए कौन दुखी होगा। जिस फूल ने अपनी खुशबू से विश्व को महकाया, उसी की परवाह संसार को नहीं है तो मनुष्य के लिए कौन परेशान होगा।

प्रश्न 4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) *था कली के रूप शैशव में अहो सूखे सुमन,*
मुसकराता था, खिलाती अंक में तुझको पवन!
खिल गया जब पूर्ण तू मंजुल सुकोमल पुष्प बन,
लुब्ध मधु के हेतु मंडराने लगे आने भ्रमर!

प्रसंग— प्रस्तुत काव्यांश महादेवी वर्मा द्वारा रचित कविता 'सूखे सुमन से' से अवतरित है। इसमें कवयित्री ने दुनिया के स्वार्थी स्वरूप पर कटाक्ष किया है।

व्याख्या— हे फूल! अब तू भले ही सूख गया है, पर पहले तू एक कली के रूप में था। तब तू मुस्कराता था और वायु तुझे गोद में लेकर खिलाती थी। जब तू पूरी तरह से खिल गया फिर तू एक कोमल फूल बन गया और तेरा मधु (शहद) पीने के लिए तेरे ऊपर भौंरे मँडराने लगे।

(ख) *आज तुझको देखकर चाहक भ्रमर आता नहीं,*
लाल अपना राग तुझ पर प्रात बरसाता नहीं!
जिस पवन ने अंक में ले प्यार था तुझको किया,
तीव्र झोंके से सुला उसने तुझे भू पर दिया।

प्रसंग— प्रस्तुत काव्यांश महादेवी वर्मा द्वारा रचित कविता 'सूखे सुमन से' से अवतरित है। इन पंक्तियों में फूल के सूख जाने पर उसकी दुर्दशा का चित्रण किया गया है।

व्याख्या— कवयित्री कहती है कि जो भ्रमर कभी फूल का रस पीने के लिए उस पर मँडराता रहता था आज वह तुझे देखकर भी पास नहीं आता। प्रात:काल अपनी लाल किरणें जिस फूल पर बरसाता था वह भी सूखे फूल पर अपना राग नहीं बरसाता।

यौवनकाल में जिस पवन ने तुझे गोद में लिया आज उसी पवन ने तेज झोंकों से सूखे फूल को धरती पर गिरा दिया है।

प्रश्न 5. भाव स्पष्ट कीजिए :

(क) *लोरियाँ गाकर मधुप निद्रा विवश करते तुझे।*

भाव— यौवन काल में फूल को नींद दिलाने के लिए भ्रमर लोरियाँ गाते हैं।

(ख) *अंत का यह दृश्य आया था कभी क्या ध्यान में ?*

भाव— फूल को क्या अपनी अंतिम घड़ी की याद कभी आई थी। अर्थात् क्या कभी फूल ने यह सोचा था कि सूख कर धरती पर गिरने के बाद कोई उसके दुख को नहीं समझेगा।

(ग) *स्वार्थमय सबको बनाया, है यहाँ करतार ने।*

भाव— भगवान ने सभी को लालची बनाया है। इस संसार में प्रत्येक मनुष्य अपने ही स्वार्थ के बारे में सोचता है।

प्रश्न 6. शब्दों के अर्थ लिखो :

शैशव = बचपन	**सुमन** = फूल	**अंक** = गोद
पवन = हवा	**मधु** = शहद	**उद्यान** = बगीचा
भ्रमर = भौंरा	**सौरभ** = सुगंध	**करतार** = ईश्वर
सर्वस्व = सब कुछ		

प्रश्न 7. इस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

प्रतिपाद्य— इस कविता का मूलभाव/संदेश यही है कि यह संसार बड़ा स्वार्थी है। जब तक आप लोगों के मतलब के रहते हैं तब तक आपकी कद्र होती है। जब व्यक्ति अनुपयोगी हो जाता है तब उसे कोई नहीं पूछता। इस संसार को भगवान ने ही स्वार्थी बनाया है।

9. लाल अंगारों की मुस्कान

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ग) **2.** (ख) **3.** (घ) **4.** (क) **5.** (घ) **6.** (घ) **7.** (ग) **8.** (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'लाल अंगारों की मुस्कान' पाठ में 'दिल्ली के तख़्त की लपलपाती क्रोधाग्नि' से लेखक का क्या आशय है?

उत्तर—दिल्ली के तख्त की लपलपाती क्रोधाग्नि से लेखक का आशय है—दिल्ली के बादशाह अलाउद्दीन खिलजी का गुस्सा।

प्रश्न 2. 'माहम को सब जगह सहानुभूति मिली, पर शरण नहीं'—क्यों?

उत्तर—क्योंकि कोई भी दिल्ली के बादशाह से दुश्मनी नहीं लेना चाहता था।

प्रश्न 3. हमीर ने माहम को शरण क्यों दी?

(क) क्योंकि वह खिलजी का भगोड़ा था।

(ख) क्योंकि उसे कहीं शरण नहीं मिली थी।

(ग) क्योंकि वह शत्रु का शत्रु था।

(घ) क्योंकि वह पहले कभी हमीर का शत्रु था।

(ङ) क्योंकि वह एक राजपूत की शरण में आया था।

उत्तर— (ङ) क्योंकि वह एक राजपूत की शरण में आया था।

प्रश्न 4. 'भावुकता का ऐसा ज्वार विश्व के इतिहास में शायद ही और कहीं आया हो'—राजपूतों के मन में ऐसा प्रबल ज्वार उमड़ उठने का तात्कालिक कारण क्या था ? सही उत्तर चुनिए।

(क) वीरगति-प्राप्ति की अदम्य लालसा।

(ख) शरणागत की रक्षा हेतु उनका अमिट उत्साह।

(ग) राजपूत-रमणियों का जौहर-ज्वाला में सहर्ष प्रवेश।

(घ) युद्ध में अनेक वीरों की अकाल मृत्यु।

(ङ) यह अनुभूति कि शत्रु से पराजय अवश्यंभावी है।

उत्तर— (ख) शरणागत की रक्षा हेतु उनका अमिट उत्साह।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. हमीर ने माहम की शरण के प्रश्न को नीतिपूर्वक क्यों नहीं देखा ? यदि वह इस पर नीतिपूर्वक विचार करता तो कहानी का अंत किस प्रकार होता ?

उत्तर— हमीर ने माहम की शरण के प्रश्न को नीतिपूर्वक इसलिए नहीं देखा क्योंकि वह एक राजपूत था और वह अपने पूर्वजों को अपमानित नहीं होने देना चाहता था। यदि वह नीतिपूर्वक विचार करता तो न तो दिल्ली के बादशाह से युद्ध होता और न ही रणथंभौर के शासक हमीर और उनके सैनिक मारे जाते।

प्रश्न 2. राजदरबार में बैठे हुए हमीर को अपने सामंतों की किस बात पर आवेश हो आया ?

उत्तर— राजदरबार में बैठे सामंतों ने जब हमीर को कर्तव्य की सीमा की बात कही तो हमीर को यह बात अच्छी नहीं लगी और वह क्रोधित हो गया।

प्रश्न 3. क्या अंतर था.... ?

(क) हमीर और सरदारों के दृष्टिकोण में।

उत्तर— हमीर एक सच्चे राजपूत की भांति माहमशाह को शरण देना चाहता था परंतु सरदारों की राय नीतिगत थी वे बादशाह से दुश्मनी मोल नहीं लेना चाहते थे।

(ख) हमीर और खिलजी के सिपाहियों में।

उत्तर— हमीर अपनी बात और राजपूती स्वाभिमान के लिए लड़ा। जबकि खिलजी के सिपाही बादशाह के लिए लड़े थे।

प्रश्न 4. 'ज़वाब क्या था, एक पलीता था, जिसने खिलजी के बारूद में आग लगा दी'—किसकी उपमा किसे दी गई है ?

ज़वाब— इसे बारूद में लगी डोरी की उपमा दी है।

बारूद— खिलजी के ह्रदय को बारूद की उपमा दी गई है।

आग— खिलजी के क्रोध को आग की उपमा दी गई है।

प्रश्न 5. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *ये कामना और आशा के झूले पर झूलने वाले सिपाही न थे—इन्हें झूलना नहीं, झूमना था; इन्हें बूझना नहीं, जूझना था।*

आशय—हमीर के सिपाहियों को बादशाह खिलजी की बड़ी सेना से जूझना था। उन्हें मृत्यु के आखरी पल तक हमीर के स्वाभिमान तथा शरणागत माहमशाह की प्राण-रक्षा के लिए लड़ना था।

(ख) *यह दुकानदारी की वृत्ति राजपूतों को शोभा नहीं देती।*

आशय—राजपूत हर काम में लाभ-हानि की बात नहीं सोचते। उनका स्वभाव दुकानदारों जैसा नहीं होता।

(ग) *सामंत-सरदार भी व्यवहार-बुद्धि से दूर, भावना के क्षेत्र में पहुँच गए थे।*

आशय—सामंत-सरदार भी महाराज हमीर की विचारधारा से सहमत हो गए। अब वे व्यावहारिकता को छोड़कर भावना के समुद्र में डुबकी लगा रहे थे।

(घ) *रात को वे सब सो रहे थे सुबह जल्दी उठने के लिए और सुबह उनको जल्दी उठना था—हमेशा सोने के लिए!*

आशय—हमीर के सिपाहियों को सुबह जल्दी उठकर अपने जीवन की अंतिम लड़ाई लड़नी थी। यह युद्ध उनकी मृत्यु को निश्चित करने वाला था।

प्रश्न 6. मुंबई के ताराघर का आकार कैसा है और क्यों ?

उत्तर— मुंबई के ताराघर का आकार गोल है। क्योंकि यह पृथ्वी के गोल होने की प्रतीति कराता है।

प्रश्न 7. अंतरिक्ष के कुछ खगोल-पिंडों के नाम बताइए।

उत्तर— सूरज, चंद्रमा, मंगल ग्रह, शनि ग्रह, बृहस्पति आदि।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. नेहरू ताराघर के निर्माण के क्या उद्‌देश्य हैं ?

उत्तर— नेहरू ताराघर के निर्माण का प्रमुख उद्‌देश्य है लोगों को अंतरिक्ष विज्ञान की जानकारियाँ उपलब्ध कराना। इसके अलावा बालकों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति ललक और जिज्ञासा उत्पन्न करने के लिए भी इसका निर्माण किया गया। यह ताराघर हमें संपूर्ण ब्रह्मांड की जानकारी उपलब्ध कराता है।

प्रश्न 2. ताराघर के गोल गुंबद को बनाने के पीछे क्या प्रयोजन है ?

उत्तर— गोल गुबंद पृथ्वी के गोल होने की प्रतीति कराता है तथा यह आकाश को पर्दे की तरह दर्शाने का काम भी करता है। इसलिए ताराघर का गुबंद गोल बनाया गया है।

प्रश्न 3. सौर-मंडल से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर— सौरमंडल से अभिप्राय है—सूरज, चाँद, तारे, ग्रह, उपग्रह, आकाशगंगा, ध्रुवतारा आदि। ब्रह्मांड में पाए जाने वाले इन पिण्डों को ही सौरमंडल कहते हैं।

प्रश्न 4. पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा दस मिनट में पूरी करती है जबकि शनि 300 मिनट में। क्यों ?

उत्तर— पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा दस मिनट में पूरी करती है जबकि शनि 30 मिनट में, क्योंकि शनि ग्रह पृथ्वी की अपेक्षा सूर्य से अधिक दूरी पर स्थित है।

प्रश्न 5. सौर-दूरबीन से क्या देखा जा सकता है ?

उत्तर— सौर-दूरबीन से सूर्य का प्रतिबिंब देखा जा सकता है।

प्रश्न 6. स्काई-थियेटर में क्या और कैसे दिखाया जाता है ? लेखक ने सबसे पहले वहाँ क्या देखा ?

उत्तर— स्काई थियेटर में कर्मचारी अंतरिक्ष-संबंधी विविध फिल्में दिखाते हैं। इसमें नौ ग्रह गति करते हुए दिखाई देते हैं। लेखक ने अपोलो-13 को चंद्रमा पर उतरते हुए देखा।

प्रश्न 7. लेखक को कौन-सी घटना देखकर रोमांच हो आया ? उस दृश्य का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर— लेखक को सबसे रोमांचित लगा भाग्य का साक्षात्कार। यह कार्यक्रम 14 अगस्त, 1947 के सूर्यास्त से आरंभ होता है। पृथ्वी को अनेक छोरों से देखा जा सकता है। उत्तरी ध्रुव के चारों ओर चक्कर लगाता सूर्य एक चमत्कार-सा लगता है। अर्ध रात्रि को घंटा बजता है और पं० नेहरू जी कहते हैं—''देश स्वतंत्र हो गया है।''

10. नेहरू ताराघर : अंतरिक्ष की रुपहली झाँकी

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ग) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (घ) **5.** (ग) **6.** (घ) **7.** (ख) **8.** (घ) **9.** (क) **10.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. यह पत्र कहाँ से लिखा गया है ?

उत्तर— यह पत्र साधुबेला से लिखा गया है।

प्रश्न 2. मुंबई की जलवायु कैसी है ?

उत्तर— मुंबई की जलवायु समशीतोष्ण है।

प्रश्न 3. लेखक ने मुंबई घूमने के लिए जाड़े का मौसम ही क्यों चुना ?

उत्तर— गरमी के मौसम में पसीना आता है इसलिए लेखक ने घूमने के लिए सर्दी का मौसम चुना।

प्रश्न 4. लेखक को मुंबई की बस-सेवा क्यों आदर्श लगी ?

उत्तर— मुंबई में बसों में भीड़ कम होती है और चढ़ते-उतरते वक्त धक्का-मुक्की नहीं होती। इसलिए लेखक को मुंबई की बस-सेवा आदर्श लगी।

प्रश्न 5. लेखक ने मुंबई में कौन-कौन से दर्शनीय स्थल देखे ?

उत्तर— मुंबई में लेखक ने गेटवे ऑफ इंडिया, ताज होटल, एलिफंटा की गुफाएँ, मछली घर, जुहू बीच, चिड़ियाघर, संग्रहालय, हैंगिंग गार्डन तथा जहाँगीर कला दीर्घा आदि स्थान देखे।

प्रश्न 6. मुंबई के ताराघर का आकार कैसा है और क्यों ?

उत्तर— मुंबई के ताराघर का आकार गोल है। क्योंकि यह पृथ्वी के गोल होने की प्रतीति कराता है।

प्रश्न 7. अंतरिक्ष के कुछ खगोल-पिंडों के नाम बताइए।

उत्तर— सूरज, चंद्रमा, मंगल ग्रह, शनि ग्रह, बृहस्पति आदि।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. नेहरू ताराघर के निर्माण के क्या उद्देश्य हैं ?

उत्तर— नेहरू ताराघर के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य है लोगों को अंतरिक्ष विज्ञान की जानकारियाँ उपलब्ध कराना। इसके अलावा बालकों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति ललक और जिज्ञासा उत्पन्न करने के लिए भी इसका निर्माण किया गया। यह ताराघर हमें संपूर्ण ब्रह्मांड की जानकारी उपलब्ध कराता है।

प्रश्न 2. ताराघर के गोल गुंबद को बनाने के पीछे क्या प्रयोजन है ?

उत्तर— गोल गुबंद पृथ्वी के गोल होने की प्रतीति कराता है तथा यह आकाश को पर्दे की तरह दर्शाने का काम भी करता है। इसलिए ताराघर का गुबंद गोल बनाया गया है।

प्रश्न 3. सौर-मंडल से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर— सौरमंडल से अभिप्राय है—सूरज, चाँद, तारे, ग्रह, उपग्रह, आकाशगंगा, ध्रुवतारा आदि। ब्रह्मांड में पाए जाने वाले इन पिण्डों को ही सौरमंडल कहते हैं।

प्रश्न 4. पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा दस मिनट में पूरी करती है जबकि शनि 300 मिनट में। क्यों ?

उत्तर— पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा दस मिनट में पूरी करती है जबकि शनि 30 मिनट में, क्योंकि शनि ग्रह पृथ्वी की अपेक्षा सूर्य से अधिक दूरी पर स्थित है।

प्रश्न 5. सौर-दूरबीन से क्या देखा जा सकता है ?

उत्तर— सौर-दूरबीन से सूर्य का प्रतिबिंब देखा जा सकता है।

प्रश्न 6. स्काई-थियेटर में क्या और कैसे दिखाया जाता है ? लेखक ने सबसे पहले वहाँ क्या देखा ?

उत्तर— स्काई थियेटर में कर्मचारी अंतरिक्ष-संबंधी विविध फिल्में दिखाते हैं। इसमें नौ ग्रह गति करते हुए दिखाई देते हैं। लेखक ने अपोलो-13 को चंद्रमा पर उतरते हुए देखा।

प्रश्न 7. लेखक को कौन-सी घटना देखकर रोमांच हो आया ? उस दृश्य का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर— लेखक को सबसे रोमांचित लगा भाग्य का साक्षात्कार। यह कार्यक्रम 14 अगस्त, 1947 के सूर्यास्त से आरंभ होता है। पृथ्वी को अनेक छोरों से देखा जा सकता है। उत्तरी ध्रुव के चारों ओर चक्कर लगाता सूर्य एक चमत्कार-सा लगता है। अर्ध रात्रि को घंटा बजता है और पं० नेहरू जी कहते हैं—''देश स्वतंत्र हो गया है।''

प्रश्न 8. पाठ में आए कुछ अंतरिक्ष यात्रियों के नाम लिखिए।

उत्तर— अंतरिक्ष यात्रियों के नाम हैं—कमांडर नील आर्मस्ट्रांग, एडविन एल्ड्रीन और माइकल कालिन्स। रूस के यूरी गगारिन प्रथम अंतरिक्ष यात्री थे।

भाषा-बोधन

1. पाठ से ऐसे अन्य शब्द ढूँढ़कर लिखिए और उनका शुद्ध उच्चारण कीजिए।

गेटवे ऑफ इंडिया, होटल, रेलवे स्टेशन, एल्युमिनियम, हॉल, कमांडर, प्रोजेक्टर।

2. नीचे दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

आधुनिकतम्— आज के आधुनिकतम् युग में महंगाई दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

उच्चतम— आज दिल्ली का उच्चतम तापमान कितना है?

अधिकतम्— भारत में अधिकतम् लोग हिंदी बोलते हैं।

महत्तम— विश्व में कंप्यूटर का महत्तम बढ़ गया है।

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कर, अंतर स्पष्ट कीजिए :

वैज्ञानिक— वैज्ञानिकों ने अपने आविष्कारों से विज्ञान जगत में नई क्रांति ला दी है।

विज्ञानी— आर्यभट गणित विषय के महान विज्ञानी थे।

अवस्था— गरीब बच्चों को छोटी अवस्था में ही काम पर लगा दिया जाता है।

व्यवस्था— दिवाली के त्योहार पर दिल्ली में सुरक्षा की खास व्यवस्था की जाती है।

निर्माण— ताजमहल का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था।

निर्वाण— प्राचीन ऋषि-मुनि निर्वाण प्राप्ति के लिए कठोर तपस्या करते थे।

4. यद्‍यपि......तथापि का प्रयोग करते हुए दो वाक्य लिखिए।

(क) यद्‍यपि मैं घर से देर से निकला **तथापि** बस ने मुझे सही समय पर विद्‍यालय पहुँचा दिया।

(ख) यद्‍यपि सोनाली के बी०एड में कम अंक आए **तथापि** उसे अध्यापिका की नौकरी मिल गई।

5. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्य परिवर्तित कीजिए :

(क) मैंने चाय पी।

मैंने पत्र लिखा।

⇒ मुझे चाय पीकर पत्र लिखना था।

(ख) ढेर सारा प्रसाद खिलाया।

नगर दर्शन के लिए भेज दिया।

⇒ ढेर सारा प्रसाद खिलाकर नगर दर्शन के लिए भेजना था।

11. शक्ति और क्षमा

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (घ) **2.** (घ) **3.** (ग) **4.** (क) **5.** (ख) **6.** (ख) **7.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'शक्ति और क्षमा' शीर्षक आपको कैसा लगा ? शक्ति और क्षमा में क्या संबंध है ?

उत्तर— हमें यह शीर्षक अच्छा लगा। शक्ति और क्षमा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जिसमें शक्ति है क्षमा उसी को मिलती है।

प्रश्न 2. 'शक्ति और क्षमा' कविता के रचयिता कौन हैं ?

उत्तर— रामधारी सिंह 'दिनकर'।

प्रश्न 3. 'नर-व्याघ्र' से क्या तात्पर्य है ? यह किसे कहा गया है ?

उत्तर— 'नर व्याघ्र' से तात्पर्य है—जो नर के रूप में बाघ के स्वभाव का हो। 'नर-व्याघ्र' दुर्योधन को कहा गया है।

प्रश्न 4. किस प्रकार के व्यक्ति की बात कोई नहीं सुनता ?

उत्तर— निर्बल और विनीत व्यक्ति की बात कोई नहीं सुनता।

प्रश्न 5. क्षमा किसे शोभा देती है ?

उत्तर— क्षमा शक्ति-संपन्न को ही शोभती है।

प्रश्न 6. सही कथनों पर ठीक (✔) का चिह्न लगाइए :

(क)शर में ही विनय की दीप्ति बसती है।

(ख)सुयोधन दुर्योधन का ही नाम है।

(ग) 'गरल' शब्द का अर्थ अमृत है।

(घ) अनुनय के शब्दों का सागर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

उत्तर— (क) (✔) (ख) (✔) (ग) (✔) (घ) (✔)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कौरवों ने किन्हें कायर समझा और क्यों ?

उत्तर— कौरवों ने पांडवों को कायर समझा क्योंकि उन्होंने कृष्ण को दूत बनाकर भेजा था और पाँच गाँवों पर शासन करने का अधिकार माँगा था।

प्रश्न 2. तीन दिवस तक कौन किससे पंथ माँगते रहे ?

उत्तर— श्री राम तीन दिवस तक समुद्र से मार्ग माँगते रहे। समुद्र ने उनकी विनती को अनसुना कर दिया परंतु जब उन्होंने तीर चढ़ाया तो समुद्र शरणागत हो गया।

प्रश्न 3. 'उठी अधीर धधक पौरुष की, आग राम के शर से' का क्या आशय है ?

उत्तर— इस पंक्ति का आशय है कि जब समुद्र ने श्रीराम की विनती की ओर ध्यान नहीं दिया तो श्रीराम का पुरुषत्व जाग उठा और उन्होंने अपना अग्नि बाण धनुष पर चढ़ाया।

प्रश्न 4. किस व्यक्ति के वचन पूज्य माने जाते हैं ?

उत्तर— जिस व्यक्ति में विजय प्राप्ति का बल हो, उसी के वचन पूज्य माने जाते हैं।

प्रश्न 5. इस कविता में क्या संदेश दिया गया है ?

उत्तर— कविता का संदेश यही है कि पहले शक्ति-संपन्न बनो तभी लोग तुम्हारी बात सुनेंगे। क्षमा करने का अधिकार शक्तिशाली को ही है। कमजोर व्यक्ति की बात कोई नहीं सुनता।

12. पूर्वी सीमांत असम

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख)	2. (क)	3. (घ)	4. (घ)	5. (ग)
6. (क)	7. (क)	8. (ख)	9. (घ)	10. (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. असम को जादूगरनियों का देश क्यों कहा जाता है ?

उत्तर— कामरूप का प्रदेश होने के कारण इसे जादूगरनियों का देश कहा जाता है यहाँ कामाख्या देवी का मंदिर है।

प्रश्न 2. असम शब्द का क्या अर्थ है ? इस प्रदेश का नाम असम कैसे पड़ा ?

उत्तर— असम का अर्थ है—जिसके बराबर कोई न हो। अहोम जाति के नाम पर इस प्रदेश का नाम असम पड़ा।

प्रश्न 3. असम का प्रमुख त्योहार कौन-सा है ?

उत्तर— बिहु।

प्रश्न 4. असम में पाई जाने वाली प्रमुख लकड़ियों के नाम बताइए।

उत्तर— असम में साल, सागवान, सनीबर महोगनी, सेमल, शीशम और बुला की लकड़ियाँ पाई जाती हैं।

प्रश्न 5. असमिया भाषा की पहली महान कृति का क्या नाम है ?

उत्तर— देवजीत।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. असम की भौगोलिक स्थिति क्या है ?

उत्तर— असम के उत्तर में भूटान है। दक्षिण में मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम है। पूर्व में नागालैंड और मणिपुर और पश्चिम में बंग्लादेश व पश्चिमी बंगाल है।

प्रश्न 2. असम में बिहू उत्सव का विशेष महत्व है। वर्णन कीजिए।

उत्तर— असम का प्रमुख त्योहार बिहु है। यह यहाँ की संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। बिहु का त्योहार तीन प्रकार का होता है—काते बिहु, माघ बिहु या भोगाली बिहु, रंगाली बिहु। रंगाली बिहु इनमें प्रमुख है जो बसंत के अवसर पर मनाया जाता है।

प्रश्न 3. स्वतंत्रता संग्राम में असमवासियों का क्या योगदान था ?

उत्तर— स्वतंत्रता संग्राम में असम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में पीयली बरफूकन ने ब्रिटिश प्रशासन को चुनौती दी। मणिराम और महेशचंद्र बरुआ फाँसी पर चढ़ गए। गाँधी युग में तरुण राम फूकन, नवीनचंद्र बरलोई, गोपीनाथ बरलोई का योगदान रहा।

प्रश्न 4. असम राज्य के साहित्य और संस्कृति विषय पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर— असम में साहित्य का उदय तेरहवीं सदी में माना जाता है। माधव कंदली की 'देवजीत' असमिया की प्रथम कृति है। आधुनिक युग के प्रसिद्ध लेखक हैं—हेमचंद्र गोस्वामी, लक्ष्मीनाथ बैज बरुआ, नलनीबाला देवी, ज्योति प्रसाद अग्रवाल आदि। असम में बंगाली, उड़िया, हिंदी, मुंडारी तथा नेपाली आदि भाषाएँ भी बोली जाती हैं। असम की संस्कृति महान है। यहाँ नाना प्रकार की जातियों का संगम है। यहाँ के लोगों को नाच-गाने का विशेष चाव है। बिहु इनका प्रमुख त्योहार है।

प्रश्न 5. माजली को दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप क्यों कहा जाता है ?

उत्तर— माजली द्वीप ब्रह्मपुत्र नदी के बीच बसा हुआ है। यहाँ घनी आबादी में लोग बसे हुए हैं। इसी कारण माजली द्वीप दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है।

प्रश्न 6. निम्नलिखित कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *असम नाना धर्मों और मान्यताओं का विचित्र गुलदस्ता है।*

आशय— असम में अनेक धर्मों और संप्रदायों के लोग रहते हैं। यहाँ शैव, बौद्ध, वैष्णव, मुस्लिम तथा ईसाई आदि धर्मों का प्रभाव है।

(ख) *असम की नारी करघों पर कविताएँ बुनती हैं।*

आशय— असम की नारियाँ करघों पर सुंदर वस्त्र बुनती हैं। गाँधी जी ने उनकी बुनने की कला को कविता के समान माना है।

(ग) *असम आधुनिक हो रहा है।*

आशय— आधुनिक युग में असम के रीति-रिवाज बदल रहे हैं और इसका कारण यहाँ की विभिन्न जातियाँ हैं। असम में आधुनिकता का प्रसार तेजी से हो रहा है।

13. चाहता हूँ

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (क) **3.** (क) **4.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'चाहता हूँ' कविता में कवि धरती माता से क्या निवेदन कर रहा है?

उत्तर— कविता में कवि भारतमाता से निवेदन करता है कि जब वह थाली में सिर सजाकर लाए तो वह उसे स्वीकार कर ले।

प्रश्न 2. 'चाहता हूँ' कविता में कवि किन मोह-बंधनों को तोड़ना चाहता है?

उत्तर— कवि घर-गृहस्थी तथा सांसारिक मोह-बधनों को तोड़ना चाहता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'चाहता हूँ' कविता में व्यक्त कवि की भावनाओं को सरल शब्दों में लिखिए।

उत्तर— कवि भारतमाता के चरणों में अपना सर्वस्व अर्पित करना चाहता है। वह देश की स्वतंत्रता के लिए अपना तन, मन, स्वप्न, घर-द्वार आदि सब कुछ न्योछावर करना चाहता है। देश के लिए वह घर-गृहस्थी के मोह-बंधन तोड़ देना चाहता है।

प्रश्न 2. 'चाहता हूँ' कविता में कवि अपने गाँव, घर-आंगन से क्षमा क्यों माँग रहा है?

उत्तर— कवि अपने गाँव, घर-आँगन से इसलिए क्षमा माँग रहा है क्योंकि वह उनसे मोह-बंधन तोड़कर देश की धरती पर अपना सर्वस्व अर्पित करना चाहता है। कवि को अपने गाँव तथा घर-आँगन से बहुत लगाव है।

प्रश्न 3. 'चाहता हूँ' कविता में मातृभूमि पर कवि क्या-क्या न्यौछावर करने के लिए तत्पर है ?

उत्तर— कवि मातृभूमि पर अपने गान, प्राण, रक्त का कण-कण अर्पित करना चाहता है। वह अपने सभी सपने, प्रश्न, आयु का प्रत्येक पल भारतमाता को समर्पित करना चाहता है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) *थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब, स्वीकार कर लेना दया कर वह समर्पण।*

व्याख्या— कवि कहता है कि हे भारतमाता, जब मैं थाली में अपना सिर सजाकर लाऊँ तो तुम मुझ पर दया करके उसके स्वीकार कर लेना।

(ख) *भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी, शीश पर आशीष की छाया घनेरी,*

व्याख्या— कवि कहता है कि भारतमाता मेरे मस्तक पर अपने चरणों की धूल लगा दो और मेरे सिर पर अपना हाथ रखकर आशीर्वाद की छाया कर दो अर्थात् हे भारतमाता मुझे आशीर्वाद दो ताकि मैं अपना सर्वस्व देश के लिए अर्पित कर सकूँ।

(ग) *ये सुमन लो, यह चमन लो, नीड़ का तृण-तृण समर्पित।*

व्याख्या— कवि भारतमाता पर फूल, फुलवारी अपिर्त करता है। वह पेड़ का एक-एक तिनका भारतमाता को समर्पित करता है।

14. परनिंदा

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (ख)
6. (क) 7. (ख) 8. (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. साहित्य शास्त्रियों ने रसों की संख्या कितनी मानी है ?

उत्तर— साहित्य शास्त्रियों ने रसों की संख्या दस मानी है।

प्रश्न 2. लेखक के अनुसार राजा और रंक में कहाँ भेद नहीं होता ?

उत्तर— खेल में राजा और रंक में भेद नहीं होता।

प्रश्न 3. सबसे सस्ता और सरल मनोरंजन का साधन क्या है ?

उत्तर— परनिंदा।

प्रश्न 4. निंदा का आनंद कब मिलता है ?

उत्तर— निंदा का आनंद तभी मिलता है जब कम-से-कम एक श्रोता हो।

प्रश्न 5. निंदा न करने की प्रतिज्ञा किसने ली थी ? पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— लेखक के पड़ोसी ने निंदा न करने की प्रतिज्ञा ली।

प्रश्न 6. यह पाठ किस शैली में लिखा गया है ?

उत्तर— यह पाठ व्यंग्य शैली में लिखा गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कबीरदास ने निंदक को कहाँ बसाने की बात कही है ?

उत्तर— कबीरदास ने निंदक को अपने आँगन में कुटी बनाकर बसाने की बात कही है। कबीर के अनुसार निंदक निंदा रूपी साबुन से हमारे चित्त को निर्मल बना देता है।

प्रश्न 2. लेखक अपने पड़ोसी के साथ कहाँ गया था ?

उत्तर— लेखक अपने पड़ोसी के साथ एक कवि सम्मेलन में गया था। लेखक के पड़ोसी ने कवियों के मुँह पर तो उनकी प्रशंसा की। परंतु घर लौटते समय सभी की निंदा करने लगा।

प्रश्न 3. बहू ने पड़ोसिन को उपहार क्यों दिए थे ?

उत्तर— बहू ने पड़ोसिन को उपहार दिए क्योंकि वह उसकी सास की निंदा कर रही थी जिससे बहू को बहुत आनंद मिल रहा था।

प्रश्न 4. 'परनिंदा भवन' कहाँ था ? वहाँ क्या होता था ? पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर—लेखक के पड़ोसी की बैठक 'परनिंदा भवन' थी। वहाँ पर लोगों की निंदा की जाती थी।

प्रश्न 5. पड़ोसी की पत्नी क्यों क्रोधित थी ?

उत्तर—पड़ोसी की पत्नी क्रोधित थी क्योंकि उसका पति उसकी माँ की निंदा कर रहा था।

प्रश्न 6. लेखक को कौन-सा रस सर्वश्रेष्ठ लगता है और क्यों ? लिखिए।

उत्तर—लेखक को निंदा रस सर्वश्रेष्ठ लगता है क्योंकि उनके अनुसार निंदा रस के बिना जीवन विरान हो जाता है।

प्रश्न 7. पड़ोसी ने कवियों का अभिनंदन कैसे किया था ?

उत्तर—पड़ोसी ने कवि सम्मेलन से लौटते समय निंदा रस से कवियों का अभिनंदन किया। वे सभी कवियों की निंदा करने लगे और कहने लगे कि किसी की आवाज़ रेंकने वाली है, किसी की सूरत अच्छी नहीं है किसी कवि के भावों का अपहरण हो गया है।

प्रश्न 8. आशय स्पष्ट करें :

'परनिंदा मीठी रोटी है।

जिधर से तोड़ो उधर से मीठी'।

आशय—दूसरों की निंदा करने में बड़ा सुख मिलता है। इसे किसी प्रकार से करो, सभी ओर से अच्छी लगती है।

15. वरदान

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर—**1.** (क) **2.** (ख) **3.** (घ) **4.** (ग) **5.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस कविता में व्याप्त आधारभूत भाव कौन-सा है ?

(क) भारतीयता **(ख) मानवता** **(ग) शांतिप्रियता**

(घ) सहृदयता **(ङ) उदारता**

उत्तर—(ख) मानवता।

प्रश्न 2. 'वरदान' कविता में क्या कवि विपत्तियों से भयभीत है ?

उत्तर—नहीं, कवि विपत्तियों से भयभीत नहीं है।

प्रश्न 3. कवि किस पर विजय पाना चाहता है ?

उत्तर—कवि दुखों पर विजय पाना चाहता है।

प्रश्न 4. कवि के भाग्य में क्या आया है ?

उत्तर—दुनिया के अनिष्ट, विपत्तियाँ और छल-कपट ही कवि के भाग्य में आए हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'वरदान' कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर—कविता का केंद्रीय भाव है—आत्मबल की प्राप्ति। जीवन जीने के लिए व्यक्ति को कर्मठ बनकर स्वतंत्रतापूर्वक संघर्ष करना चाहिए। याचना की दीनता से मुक्त रहना चाहिए।

प्रश्न 2. 'वरदान' कविता में कवि ने क्या वरदान चाहे हैं ? सरल वाक्यों में बताइए।

उत्तर—कवि भगवान से वरदान चाहता है कि वह विपत्तियों से भयभीत न हो, उनसे संघर्ष करने में समर्थ हो सके। वह दीनता स्वीकार न करे तथा किसी के वश में न हो।

प्रश्न 3. 'वरदान' कविता में छिपे जीवन-दर्शन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—'वरदान' कविता में यही जीवन-दर्शन छिपा है कि हमें किसी के आगे गिड़गिड़ाना नहीं चाहिए अपितु अपनी आत्म-शक्ति पर भरोसा रखना चाहिए।

प्रश्न 4. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *संसार के अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट ही मेरे भाग्य में आए हैं; तो भी मेरा अंतर इन प्रतारणाओं के प्रभाव से क्षीण न हुआ;*

आशय—कवि को संसार से दुख और छल-कपट ही मिला है। फिर भी उसका हृदय इन प्रताड़नाओं से कमजोर नहीं हुआ।

(ख) *'जब सारी दुनिया मेरा उपहास करेगी' तब मैं शंकित न होऊँ—यही वरदान चाहता हूँ।*

आशय—दुनिया दुखी व्यक्ति का मज़ाक उड़ाती है। कवि के कहने का आशय है कि ऐसी स्थिति में वह ईश्वर की शक्ति पर शंका न करें।

प्रश्न 5. निम्नलिखित 'वाक्यों में आए अंतर' तथा 'अंतर शब्दों' का कहाँ किस अर्थ एवं आशय में प्रयोग हुआ है :

(क) मेरा अंतर इन प्रतारणाओं के प्रभाव से क्षीण न हुआ।

उत्तर— इस वाक्य में 'अंतर' शब्द 'हृदय' के लिए प्रयुक्त हुआ है। यह दुखों की अधिकता को इंगित करने के आशय से प्रयोग किया गया है।

(ख) दोनों कविताओं के केंद्रीय भाव में बहुत अंतर है।

उत्तर— इस वाक्य में 'अंतर' शब्द 'फर्क' के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। यह दो भावों में भेद बतलाने के आशय से प्रयोग हुआ है।

(ग) पिछले अंतर्राष्ट्रीय खेल-कूदों में भारत ने खूब प्रतिष्ठा प्राप्त की थी।

उत्तर— इस वाक्य में 'अंतर्राष्ट्रीय' शब्द 'विश्व स्तर पर' के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। यह विश्व स्तर पर भारतीय खेल-कूदों की प्रतिष्ठा को दर्शाने के लिए प्रयोग किया गया है।

(घ) हमारे इलाके के पुलिस कमिश्नर का पिछले सप्ताह स्थानांतर हो गया।

उत्तर— इस वाक्य में 'स्थानांतर' शब्द 'तबादले' के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। यह किसी व्यक्ति के एक स्थान से दूसरे स्थान पर तबादले के लिए प्रयोग किया गया है।

भाषा-बोधन

16. बदला तो मैंने भी लिया था

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (घ) 6. (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. खेल के मैदान में प्रायः किस प्रकार की घटनाएँ होती रहती हैं?

उत्तर— खेल के मैदान में धक्का-मुक्की और मारपीट की घटनाएँ होती रहती हैं।

प्रश्न 2. 'बदला तो मैंने भी लिया' पाठ किस विधा में रचा गया है तथा इसके लेखक कौन हैं?

उत्तर— यह पाठ संस्मरण विधा में रचा गया है इसके लेखक ध्यानचंद हैं।

प्रश्न 3. 1933 में लेखक किसकी ओर से हॉकी खेला करते थे?

उत्तर— पंजाब रेजीमेंट की ओर से।

प्रश्न 4. खेल के मैदान में क्या घटना घटी?

उत्तर— ध्यानचंद की विरोधी टीम के एक खिलाड़ी ने गुस्से में आकर ध्यानचंद के सिर में हॉकी मार दी।

प्रश्न 5. लेखक ने इस पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

उत्तर— ध्यानचंद ने एक के बाद एक छह गोल कर दिए। इस प्रकार उसने अपनी प्रतिक्रिया खेल के माध्यम से व्यक्त की।

प्रश्न 6. चोट मारने वाला खिलाड़ी क्यों शर्मिंदा हुआ?

उत्तर— चोट मारने वाला खिलाड़ी शर्मिंदा हुआ क्योंकि ध्यानचंद के खेल प्रदर्शन और उसकी खेल-भावना को देखकर खिलाड़ी को अपनी गलती का अहसास हुआ।

प्रश्न 7. लेखक ने अपनी सफलता का क्या रहस्य बताया?

उत्तर— लगन, साधना और खेल भावना को लेखक ने सफलता का रहस्य बताया।

प्रश्न 8. लेखक का जन्म कब और कहाँ हुआ?

उत्तर— लेखक का जन्म 1904 में प्रयाग के एक साधारण राजपूत परिवार में हुआ।

प्रश्न 9. 'उस समय मैं एक नौसिखिया खिलाड़ी ही था'—किसने कहा? क्यों कहा?

उत्तर— यह वाक्य ध्यानचंद ने कहा। उन्होंने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उस समय उन्होंने हॉकी खेलना शुरू ही किया था।

प्रश्न 10. किसकी प्रेरणा से लेखक हॉकी के मैदान में उतरे?

उत्तर— रेजीमेंट के सूबेदार मेजर तिवारी की प्रेरणा से ध्यानचंद हॉकी के मैदान में उतरे।

प्रश्न 11. हिटलर ने लेखक के बारे में अपने अधिकारी से क्या कहा था ?

उत्तर— हिटलर ने ध्यानचंद के लिए अपने अधिकारी से कहा कि वह जर्मनी आ जाए, मैं उसे मार्शल बना दूँगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक 'हॉकी का जादूगर' नाम से कब और कहाँ प्रसिद्ध हुआ ?

उत्तर— लेखक को 'हॉकी का जादूगर' तब कहा गया जब उन्होंने 1936 बर्लिन ओलंपिक में हॉकी में अच्छा प्रदर्शन किया। वहाँ के लोग उनके खेलने के ढंग से इतने प्रभावित हुए कि वे उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहने लगे।

प्रश्न 2. लेखक ने हिटलर के आमंत्रण को क्यों स्वीकार नहीं किया ?

उत्तर— ध्यानचंद को अपने देश भारत से बहुत प्रेम था। वह केवल अपने देश के लिए खेलना चाहते थे। इसलिए उन्होंने हिटलर का आमंत्रण स्वीकार नहीं किया।

प्रश्न 3. 'पंजाब रेजीमेंट' और 'सैपर्स एंड माइनर्स' टीम के बीच मुकाबले में क्या घटना घटी ?

उत्तर— 'सैपर्स एंड माइनर्स' की ओर से खेलने वाले एक खिलाड़ी ने हॉकी खेलते समय 'पंजाब रेजीमेंट' के खिलाड़ी ध्यानचंद के सिर में गुस्से से हॉकी मार दी। परंतु वह पट्टी बाँधकर फिर से मैदान में आ गया और छह गोल करके अपना बदला ले लिया।

प्रश्न 4. लेखक के कप्तान बन जाने के बाद उनके जीवन में क्या परिवर्तन आया ?

उत्तर— कप्तान बनने के बाद ध्यानचंद पर जिम्मेदारियाँ ओर बढ़ गईं। वह अपने देश के लिए खेलता था। बर्लिन ओलंपिक खेल में वहाँ के लोग कप्तान ध्यानचंद के खेलने के ढंग से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहा। बर्लिन ओलंपिक में ध्यानचंद की टीम को स्वर्ण पदक मिला तथा हिटलर ने एक पदक ध्यानचंद को दिया। इस प्रकार कप्तान बनने के बाद उनका मान-सम्मान बहुत बढ़ गया।

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) एक खिलाड़ी ने गुस्से में आकर **हॉकी** मेरे सिर पर दे मारी।

(ख) **बुरा काम** करने वाला आदमी हर समय डरा रहता है।

(ग) हमारी छावनी में खेलने का कोई निश्चित **समय** नहीं था।

(घ) **बर्लिन** ओलंपिक में मुझे टीम का कप्तान बनाया गया।

प्रश्न 6. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *बुरा करने वाला आदमी हर समय डरा रहता है।*

आशय— जो आदमी गलत काम करता है उसके मन में हर पल डर समाया रहता है।

(ख) *लगन, साधना और खेल-भावना यही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं।*

आशय— सफलता प्राप्ति के लिए लगन और साधना के साथ-साथ खेल भावना की आवश्यकता होती है।

(ग) *खेलते समय मैं हमेशा इस बात का ध्यान रखता था कि हार या जीत मेरी नहीं, बल्कि पूरे देश की है।*

आशय— ध्यानचंद खुद से अधिक अपने देश को सर्वोपरि मानते थे। वे खेल में हार-जीत अपनी नहीं बल्कि पूरे देश की हार-जीत मानते थे।

प्रश्न 7. बताइए किसने, किससे कहा ?

(क) तुम चिंता मत करो, मैं इसका बदला ज़रूर लूँगा।

उत्तर— ध्यानचंद ने हॉकी मारने वाले खिलाड़ी को कहा।

(ख) खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं लगता।

उत्तर— ध्यानचंद ने विरोधी टीम के उस खिलाड़ी को कहा जिसने उनके सिर में हॉकी मारी थी।

(ग) मैं उसे मार्शल बना दूँगा।

उत्तर— हिटलर ने अपने एक अधिकारी से कहा।

भाषा-बोधन

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए :

17. प्रायश्चित

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (ग)
6. (ख) 7. (घ) 8. (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पंडितजी ने प्रायश्चित का क्या उपाय बताया ?

उत्तर—एक सोने की बिल्ली बनवाकर दान देने तथा इक्कीस दिन का पाठ कराने के लिए पंडित जी ने कहा।

प्रश्न 2. सोने का मोल-तोल कहाँ से शुरू होकर कहाँ समाप्त हुआ ?

उत्तर—सोने का मोल-तोल इक्कीस तोले से शुरू होकर ग्यारह तोले पर समाप्त हुआ।

प्रश्न 3. महरी ने लड़खड़ाते स्वर में क्या सूचना दी ?

उत्तर—महरी ने लड़खड़ाते स्वर में सूचना दी कि बिल्ली तो उठकर भाग गई है।

प्रश्न 4. इस कहानी का क्या उद्देश्य है ?

उत्तर—इस कहानी का उद्देश्य अंधविश्वास तथा रूढ़िवादिता जैसी बुराइयों को उजागर करना है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. घर में रामू की बहू की क्या स्थिति थी ?

उत्तर—रामू की बहू पति की प्यारी और सास की दुलारी थी। भंडार घर पर उसी का राज था। नौकरों पर उसी का हुक्म चलता था।

प्रश्न 2. रामू की माँ ने पूजा-पाठ में मन क्यों लगाया ?

उत्तर—रामू की माँ ने पूजा-पाठ में इसलिए मन लगा लिया क्योंकि उसने घर की जिम्मेदारी बहू को सौंप दी थी।

प्रश्न 3. कबरी बिल्ली ने किस प्रकार बहू की नाक में दम कर रखा था ?

उत्तर—कबरी बिल्ली रसोई घर में खाने की कोई चीज़ नहीं छोड़ती थी। इस प्रकार उसने बहू के नाक में दम कर रखा था।

प्रश्न 4. रामू को रूखा-सूखा भोजन क्यों मिलता था ?

उत्तर—रामू को रूखा-सूखा भोजन मिलता था क्योंकि कबरी बिल्ली दूध तथा घी चट कर जाती थी।

प्रश्न 5. रामू की बहू ने कबरी से पीछा छुड़ाने का क्या उपाय किया ?

उत्तर—रामू की बहू ने कबरी बिल्ली से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी हत्या की योजना बनाई। उसने घर के दरवाजे पर दूध की कटोरी रखी और जैसे ही बिल्ली दूध पीने आई बहू ने पाटा उसके ऊपर पटक दिया। बिल्ली न हिली न डुली, वहीं पड़ी रही।

प्रश्न 5. रामू की बहू ने कबरी से पीछा छुड़ाने का क्या उपाय किया ?

उत्तर—रामू की बहू ने कबरी बिल्ली से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी हत्या की योजना बनाई। उसने घर के दरवाजे पर दूध की कटोरी रखी और जैसे ही बिल्ली दूध पीने आई बहू ने पाटा उसके ऊपर पटक दिया। बिल्ली न हिली न डुली, वहीं पड़ी रही।

प्रश्न 6. कबरी बिल्ली के मरने की सूचना पाते ही घर में कैसी स्थिति उत्पन्न हो गई ?

उत्तर—बिल्ली की हत्या की खबर फैलते ही रामू के घर में पड़ोस की महिलाएँ एकत्रित होकर बिल्ली की हत्या के दुष्परिणामों की चर्चा करने लगीं। पंडित जी ने अपनी कमाई का अच्छा अवसर पाकर इसे भारी पाप बताया तथा प्रायश्चित करने का उपाय बताने लगा।

प्रश्न 7. पंडित परमसुख बिल्ली मरने की खबर सुनकर क्यों मुस्करा उठे ?

उत्तर—पंडित परमसुख लोभी तथा मक्कार व्यक्ति था। वह बिल्ली की हत्या की बात सुनकर मुस्कराने लगता है क्योंकि इस मौके को वह अपनी कमाई का अच्छा अवसर मान रहा था। वह बिल्ली की हत्या को बहुत बड़ा पाप बताकर रामू की माँ को डराता है तथा अधिक-से-अधिक दान-पुण्य करने के लिए उसे बाध्य करता है।

प्रश्न 8. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़कर संक्षिप्त उत्तर दो :

(क) ''रामू की माँ ने पंडितजी के पैर पकड़े और पंडितजी ने जमकर आसन लगाया।''

(*i*) रामू की माँ ने पंडितजी के पाँव क्यों पकड़े ?

उत्तर—क्योंकि पंडित जी नाराज होकर जा रहे थे इसलिए रामू की माँ ने बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए पंडित जी के पाँव पकड़ लिए।

(*ii*) 'पंडितजी ने जमकर आसन लगाया'—इसका क्या अर्थ है ?

उत्तर—पंडितजी ने जमकर आसन लगाया था यहाँ पर अर्थ है कि वे और भी सुविधाजनक होकर बैठ गए।

(*iii*) इस नाटक के पीछे पंडितजी का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर—इस नाटक के पीछे पंडितजी का उद्देश्य था अधिक-से-अधिक पैसा कमाना।

(ख) रामू की माँ ने घबराकर कहा—''अरी, क्या हुआ री ?''

(*i*) रामू की माँ ने यह बात किससे पूछी ?

उत्तर—रामू की माँ ने महरी से यह बात पूछी।

(*ii*) रामू की माँ को क्या ज़वाब मिला ?

उत्तर—रामू की माँ को जवाब मिला कि बिल्ली उठकर भाग गई है।

(*iii*) इसकी पंडितजी पर क्या प्रतिक्रिया हुई होगी ?

उत्तर—पंडितजी के सारे अरमानों पर पानी फिर गया, शर्म के मारे उनकी गर्दन झुक गई होगी।

18. भक्ति-पदावली

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (ग)
6. (घ) 7. (घ) 8. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मीरा का गिरधर गोपाल से क्या संबंध था ?

उत्तर—मीरा श्रीकृष्ण को अपना पति मानती थी।

प्रश्न 2. रैदास भगवान से अपना कैसा संबंध मानते हैं ?

उत्तर—रैदास भगवान को चंदन, घना वन, दीपक और मोती बताते हैं तथा स्वयं को पानी, मोर, बाती और धागा बताते हैं। इस प्रकार रैदास और भगवान आपस में जुड़े हुए हैं। उनका संबंध कभी न टूटने वाला है।

प्रश्न 3. नानक के अनुसार कैसा मनुष्य ईश्वर में लीन हो जाता है ?

उत्तर—जो दुख में दुखी न हो, भय को न जाने, सोने को मिट्टी के बराबर समझे तथा काम, क्रोध का जो स्पर्श न करे, ऐसा मनुष्य ईश्वर में लीन रहता है।

प्रश्न 4. कबीर किस आधार पर कहते हैं कि ईश्वर खोजने पर तुरंत मिलते हैं ?

उत्तर—कबीर का कहना है कि ईश्वर हमारे अंदर ही निवास करते हैं इसलिए वे खोजने पर तुरंत ही मिल जाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. (क) मीराबाई ने अपने पद में किसकी उपासना की है ? उनकी भक्ति का रूप कौन-सा है ?

उत्तर—मीरा ने अपने पद में श्रीकृष्ण की उपासना की है उनकी भक्ति का रूप प्रेम है।

(ख) 'भगति देखि राजी हुई, जगति देखि रोई'—ऐसा क्यों ? कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—मीरा भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहती है जिससे उन्हें सुख की अनुभूति होती है परंतु संसार से उन्हें तिरस्कार और अपमान ही मिलता है जिसके कारण वे दुखी होती है।

(ग) कौन-सी बेल फैल गई ? इसमें कौन-सा फल लगा है ?

उत्तर—प्रेम बेल फैल गई। इस बेल में आनंद रूपी फल लगा है। मीरा को श्रीकृष्ण से प्रेम है, वह हर पल उनकी भक्ति में खोई रहती है। इससे मीराबाई को असीम आनंद की प्राप्ति होती है।

(घ) सरलार्थ लिखिए :

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।।

सरलार्थ—मीराबाई कहती है कि मेरे तो सिर्फ भगवान कृष्ण ही है और दूसरा कोई भी इस संसार में मेरा नहीं है। वह मोर के पंख का मुकुट पहने हुए श्रीकृष्ण ही मेरे पति हैं।

2. (क) रैदास ने अपने लिए क्या-क्या उपमाएँ दी हैं ?

उत्तर—रैदास ने स्वयं को पानी, मोर, बाती तथा धागे की उपमाएँ दी हैं।

(ख) रैदास द्वारा प्रभु के लिए क्या-क्या उपमाएँ दी गई हैं ?

उत्तर—रैदास ने प्रभु को चंदन, घना वन, दीपक तथा मोती की उपमाएँ दी हैं।

(ग) अर्थ स्पष्ट कीजिए :

प्रभुजी तुम दीपक हम बाती।
जाकी ज्योति बरै दिन राती।।

उत्तर—कवि रैदास ने प्रभु को दीपक के समान बताया है और स्वयं को बाती के समान माना है। इस दीपक की ज्योति दिन-रात जलती रहती है अर्थात् भगवान का प्रकाश हर समय फैला रहता है।

3. (क) गुरु नानक देव ने कैसे व्यक्ति को धन्य माना है ?

उत्तर—गुरु नानक ने ऐसे व्यक्ति को धन्य माना है जो दुख में दुखी न हो, जो भय न जाने, सोने को मिट्टी जाने तथा लोभ, अभिमान ना करे।

(ख) किस प्रकार के मनुष्य के शरीर में ब्रह्मा का निवास होता है ?

उत्तर—जिसके हृदय में काम, क्रोध की भावना न हो, उसी मनुष्य के शरीर में ब्रह्मा का निवास होता है।

4. (क) कबीरदास ने परमात्मा का निवास कहाँ बताया है ?

उत्तर—कबीरदास ने परमात्मा का निवास सबकी साँसों में बताया है। उनके अनुसार भगवान हमारे अंदर निवास करते हैं।

(ख) उक्त पद से कबीर की किस विचारधारा का पता चलता है ?

उत्तर—उक्त पद से कबीर की निर्गुण विचारधारा का पता चलता है।

(ग) सरलार्थ लिखिए :

मोको कहाँ ढूँढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में।।

उत्तर—कबीरदास जी कहते हैं कि हे मनुष्य, तू मुझे कहाँ-कहाँ ढूँढ़ रहा है, मैं तो तेरे पास हूँ अर्थात् तेरे भीतर ही समाया हूँ। ना मैं मंदिरों में, ना मस्जिद में और न ही किसी पर्वत पर रहता हूँ। कवि के कहने का तात्पर्य है कि ईश्वर हमारे अंदर ही निवास करता है, उसे बाहर कहीं भी ढूँढ़ने की जरूरत नहीं हैं।

5. नानक के भक्ति-पद का मूल आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—गुरुनानक देव की भक्ति निस्वार्थ भाव की भक्ति है। वे सच्चा भक्त उसी को मानते हैं जो दुख में दुखी न हो, भय से दूर हो, सोने को मिट्टी के समान समझे। ऐसा व्यक्ति जो निंदा स्तुति से दूर रहे तथा लोभ-मोह व अभिमान न करे, वहीं ईश्वर भक्ति में लीन रह सकता है।

भाषा-बोधन

19. दुनिया की छत पर एक ठंडे रेगिस्तान की यात्रा

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (क)
6. (ख) **7.** (क) **8.** (घ) **9.** (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. तिब्बत और लद्दाख में क्या समानता है ?

उत्तर—तिब्बत और लद्दाख एक-दूसरे से मिलते-जुलते प्रदेश है। दोनों ही ठंडे प्रदेश हैं।

प्रश्न 2. लद्दाख के संसद सदस्य पी० नमग्याल ने लेखक को लद्दाख जाने से मना क्यों किया ?

उत्तर—संसद सदस्य पी० नयग्याल के अनुसार लद्दाख में पेड़ नहीं हैं, श्रीनगर जाने में ही एक महीना लग जाएगा तथा वहाँ बस्तियाँ दूर-दूर हैं। इसलिए उन्होंने लेखक को जाने से मना किया।

प्रश्न 3. लद्दाख में कौन-सी फसल मुख्य रूप से होती है ?

उत्तर—लद्दाख की मुख्य फसल गेहूँ है।

प्रश्न 4. नवांग सांगे का उल्लेख लेखक ने क्यों किया है ?

उत्तर—नवांग सांगे ने 17 लाख वृक्ष लद्दाख में लगाए, इसलिए लेखक ने उनका उल्लेख किया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लद्दाख की यात्रा में पड़ने वाले प्रमुख पड़ावों के नाम लिखिए।

उत्तर—लद्दाख की यात्रा में पड़ने वाले प्रमुख पड़ाव हैं—चंबा, लाहौन, बलतल, सोनमर्ग, लेह, करगिल आदि।

प्रश्न 2. लद्दाख की भौगोलिक स्थिति कैसी है ?

उत्तर—लद्दाख एक ठंडा पर्वतीय प्रदेश है। यहाँ रंग-बिरंगी पहाड़ियाँ हैं जो हिम शिखरों को छूती हैं। लद्दाख मैदानी क्षेत्र है, यहाँ पेड़ बहुत कम हैं।

प्रश्न 3. लद्दाख की प्रमुख नदियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—लद्दाख की प्रमुख नदियों में हैं—सिंधु नदी, द्रास नदी, जास्कर नदी आदि। सिंधु नदी आगे झेलम नदी से मिलती है। कारगिल की बखालू नदी की घाटी बहुत हरी-भरी है।

प्रश्न 4. 'दुनिया की छत पर एक ठंडे रेगिस्तान की यात्रा' शीर्षक आपको कैसा लगा ? इस शीर्षक का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—यह शीर्षक हमें अच्छा लगा। लद्दाख काफी ऊँचाई पर स्थित है तथा एक ठंडा प्रदेश है यह रेगिस्तानी क्षेत्र माना जाता है। यहाँ पेड़ बहुत कम हैं। इसी कारण इस पाठ को एक ठंडे रेगिस्तान की संज्ञा दी है।

प्रश्न 5. लद्दाख के जन-जीवन एवं उनके रहन-सहन के विषय में लिखिए।

उत्तर—पहले यहाँ के लोग पशुपालन और खेती पर आश्रित थे परंतु अब उनका मुख्य व्यवसाय पर्यटन हो गया है। पहले लोगों का मुख्य भोजन सत्तू और मक्खन मिली नमकीन चाय होती थी परंतु अब लोग सब्जियाँ उगाते हैं। यहाँ के लोग चावल भी खाते हैं। लद्दाख में ठंड अधिक पड़ती है इसलिए यहाँ के लोग गरम कपड़े पहनते हैं। यहाँ बौद्ध धर्म का अधिक प्रचलन है।

प्रश्न 6. नवांग सांगे लेखक की कौन-सी बात सुनकर प्रसन्न हो गए और क्यों ?

उत्तर—लेखक ने नवांग सांगे को बताया कि भगवान बुद्ध ने यह उपदेश दिया कि हर व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम-से-कम पाँच वृक्ष लगाने चाहिए तथा पाँच वर्ष तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। यह बात सुनकर नवांग सांगे बहुत प्रसन्न हुए। नवांग सांगे को वृक्षों से बहुत प्रेम था इसलिए उन्हें लेखक की बात अच्छी लगी।